Dept of sanskrit

FIRST YEAR

SKT-Dsc 101

संस्कृत काव्य

Section 'A' रघुवंशम्

Section 'B'

शिशुपालवधम्

Section 'C'

नीतिशतकम्

Section 'D'

संस्कृत काव्य का इतिहास

रघुवंशम्

Unit: I

कवि एवं काव्य परिचय,

सर्ग 1 (पद्य 1-10) सरलार्थ एवं व्याख्या,

रघुवंशी राजाओं की विशेषताएं, राजा दिलीप की विशेषताएं सर्ग-1 पद्य (11-25) सरलार्थ एवं व्याख्या,

Unit: II

प्रजा की भलाई में दिलीप का योगदान।,

रघुवंश नामकरण की सार्थकता प्रदत्त विषय का परिचय ।

Section 'B'

शिशुपालवधम्

Unt I

कवि एवं विषय का परिचय

शिशुपालवध नामकरण की सार्थकता प्रदत्त विषयवस्तु का परिचय ।. सर्ग- 2 पद्य (26-37), व्याकरण, सरलार्थ, व्याख्या, काव्य-सौष्ठव, विषयवस्तु

विश्लेषण

Unit II

सर्ग-2 पद्य (42-56), व्याकरण, सरलार्थ, काव्य-सौष्ठव, विषयवस्तु विश्लेषण माघे सन्ति त्रयो गुणाः, मेघे माघे गतं वयः तावद् भा भारवेर्भाति यावन्माघस्य नोदयः (इन उक्तियों का विश्लेषण) ।

Section 'C' नीतिशतकम्

Unit I

पद्य 1-10, सरलार्थ, व्याख्या

Unit II

पद्य 11-20 सरलार्थ, व्याख्या, भर्तृहरि के सामाजिक अनुभव, मूर्खों के प्रकार

Section 'D'

संस्कृत काव्य का इतिहास

Unit I

अश्वघोष, कालिदास, भारवि, माघ, श्रीहर्ष, जयदेव, भर्तृहरि तथा उनकी रचनाएँ।

Unit II

महाकाव्य और गीतिकाव्य का उद्भव और विकास, उपर्युक्त कवियों और उनकी रचनाओं के संदर्भ में।

व्याख्यायनमाला इसमें 70 से 80 व्याख्यान छात्रों को दिए जाएंगे जिसके अंतर्गत निन्म सभी कार्य भी निहित होंगे:------

- गृह कार्य प्रदत का अवलोकन
- श्याम पट्टिका अभ्यास
- कक्षा अभ्यास
- कक्षा प्रश्नुत्तर निर्माण
- कक्षा परीक्षा
- असाइनमेंट
- मौखिक परीक्षा

- विषय से प्राप्त लाभ:----------
- सांस्कृतिक चेतना
- सामाजिक चेतना
- पर्यावरण बोध
- साहित्यिक चेतना
- विषय बोध

Skt- Dsc 102

Section 'A' शुकनासोपदेश

Section 'B' Section C शिवराज विजय (प्रथम निश्वास)

शुकनासोपदेश

Section D

संस्कृत गद्यकाव्य का सर्वेक्षण (B) Unit-Wise Division

Section 'A' शुकनासोपदेश

Unit 1 लेखक एवं विषयवस्तु का परिचय प्रारम्भ से लेकर यथा यथा चेयं चपलादीप्यते

इस गद्य की समाप्तिपर्यन्त सरलार्थ एवं व्याख्या

Section 'B' शुकनासोपदेश

Unit 1 उत्सारण वेत्रलता सत्पुरुषव्यवहाराणाम्

इस गद्य से लेकर अभिषेकानन्तरं च प्रारा दिग्विजय

इस गद्य की समाप्ति प्रयन्त सरलार्थ एवं व्याख्य

Unit II शुकनासोपदेश में वर्णित समाज तथा राजनीतिक विचार तथा

सूक्तियों का तार्किक अर्थ एवं उपयोगिता

Section 'C'

शिवराजविजयम् (प्रथमः निश्वास)

Unit I

गद्य 120. लेखक एवं विषय वस्तु का परिचय, व्याकरण सरलार्थ तथा व्याख्या, गद्य सौष्ठव, कथावस्तु

घटनाक्रम का समय निर्धारण

Unit II

गद्य 21 से समाप्ति पर्यन्त व्याकरण सरलार्थ व्याख्या गद्यसौष्ठव, कथावस्तु

- घटनाक्रम का समय निर्धारण।

Section 'D'

संस्कृत गद्यकाव्य का सर्वेक्षण

Unit I

गद्यकाव्य का उद्भव और विकास तथा प्रमुख रोमांचक प्रेम-कथाएं सुबन्धु बाण, दण्डी, अम्बिकादत्त व्यास

Unit 11

पंचतंत्र, हितोपदेश, बेतालपंचविशतिका का सामान्य परिचय।

व्याख्यायनमाला

- इसमें 70 से 80 व्याख्यान छात्रों को दिए जाएंगे जिसके अंतर्गत निम्न सभी कार्य भी निहित होंगे:-----
- गृह कार्य प्रदत का अवलोकन

- श्याम पट्टिका अभ्यास
- कक्षा अभ्यास
- कक्षा प्रश्नुत्तर निर्माण
- कक्षा परीक्षा
- असाइनमेंट
- मौखिक परीक्षा

- विषय से प्राप्त लाभ:----------
- यौवनता के गुण दोष
- वरिष्ठ जन उपदेश महत्वता
- राष्ट्रीय एकता
- राष्ट्रीय चेतना
- देशप्रेम
- नारी सम्मान
- नैतिकता
- जीवन मूल्य
- सांस्कृतिक चेतना
- सामाजिक चेतना
- पर्यावरण बोध
- साहित्यिक चेतना
- विषय बोध

SKT-DSC-201

संस्कृत नाटक :

Section 'A'

कर्णभारम् (सम्पूर्ण) अभिज्ञानशाकुन्तलम् चतुर्थ अंक--कालिदास

Section C संस्कृत नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली

Section D' संस्कृत नाटक का इतिहास तथा प्रमुख नाटकों का परिचय

कर्णभारम् (सम्पूर्ण)

कर्णभार नाटक का परिचय, सरलार्थ, व्याख्या, काव्य कथावस्तु । हिन्दी व्याकरण हिन्दी से संस्कृत में सरल अनुवाद ।

Unit II

Section 'B' अभिज्ञानशाकुन्तलम् : चतुर्थ अंक (कालिदास)

Unit 1

चतुर्थ अंक (क) परिचय नांदी, प्रस्तावना, सूत्रधार, नटी, विष्कम्भक, विदूषक और कचुकी आदि पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या।

चतुर्थ अंक (ख) व्याकरण, सरलार्थ, व्याख्या, काव्य-सौष्ठव और कथावस्तु तथा घटनाक्रम का समय निर्धारण एवं प्रकृति का 3 मनवीकरण, अभिज्ञानशाकुन्तलम् का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण काव्येषु नाटकं रम्यम्, उपमा कालिदासस्य उक्तियों की समीक्षा।

Section 'C' संस्कृत नाट्यशास्त्रीय संस्कृत पारिभाषिक शब्दावली

नाटक, नायक, नायिका, पूर्वरङ्ग, सूत्रधार, नेपथ्य । अङ्क, स्वगत, प्रकाश, अपवारित, जनान्तिक. आकाशभाषित प्रवेशक ,भरतवाक्य ।

Section 'D'

संस्कृत नाटक का इतिहास तथा प्रमुख नाटकों का परिचय

Unit 1

उदभव और विकास। प्रमुख नाटक एवं नाटककार (भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, हर्ष, भवभूति तथा उनकी रचनाएं

व्याख्यायनमाला इसमें 70 से 80 व्याख्यान छात्रों को दिए जाएंगे जिसके अंतर्गत निन्म सभी कार्य भी निहित होंगे:------

- गृह कार्य प्रदत का अवलोकन
- श्याम पट्टिका अभ्यास
- कक्षा अभ्यास
- कक्षा प्रश्नुत्तर निर्माण
- कक्षा परीक्षा
- असाइनमेंट
- मौखिक परीक्षा

- विषय से प्राप्त लाभ:----------
- नाटकीय नियम ज्ञान
- गुरूपदेश
- सत्यता
- मित्र धर्म
- योग्यता
- साहित्यिक शब्दाबली
- प्रकृति मानवीकरण
- सांस्कृतिक चेतना
- सामाजिक चेतना
- पर्यावरण बोध
- साहित्यिक चेतना
- विषय बोध

SECOND YEAR
SKT-DSC-202
संस्कृत व्याकरण

Section 'A'
लघुसिद्धांतकौमुदी संज्ञा प्रकरण
Section 'B'
लघुसिद्धांतकौमुदी संधि प्रकरण
Section C
लघुसिद्धांतकौमुदी विभक्ति प्रकरण
Section 'D'
लघुसिद्धांतकामुदी स्त्री प्रत्य

व्याख्यानमाला

- लघुसिद्धांतकौमुदी संज्ञा प्रकरण

- संज्ञा प्रकरण
- लघुसिद्धांतकौमुदी संधि प्रकरण
- अच् संधि- यण, गुण, दीर्घ, अयादि वृद्धि और पूर्वरूप संधि ।
- हल संधि- श्चुत्व ष्टुत्व, अनुनासिकत्व, छत्व और जश्त्व |
- विसर्ग संधि- उत्य, सत्व, रूत्व लोप

- लघुसिद्धांतकौमुदी विभक्त्यर्थ प्रकारन
- विभक्त्यर्थ प्रकरण तथा अनुवाद

लघुसिद्धांतकौमुदी : स्त्री प्रत्यय ङीप्, टाप्, ऊङ् व्याख्यायनमाला इसमें 70 से 80 व्याख्यान छात्रों को दिए जाएंगे जिसके अंतर्गत निन्म सभी कार्य भी निहित होंगे:------

- गृह कार्य प्रदत का अवलोकन
- श्याम पट्टिका अभ्यास
- कक्षा अभ्यास
- कक्षा प्रश्नुत्तर निर्माण
- कक्षा परीक्षा

- असाइनमेंट
- मौखिक परीक्षा

- विषय से प्राप्त लाभ:----------
- व्याकरण बोध
- स्पष्टता
- शुद्ध लेख
- विषय बोध

-

SKT-AEEC-205

आयुर्वेद के मूल सिद्धान्त

Section 'A

' आयुर्वेद का परिचय स्थानम्)

Section 'B

' चरकसंहिता (सूत्र

तैत्तिरीयोपनिषद्

Section 'C

' अष्टाङ्गहृदयम् (स्वस्थवृत्त)

- ' आयुर्वेद का परिचय
- औषधि विज्ञान
- चरक पूर्वकालीन इतिहास
- दो शाखाए (धन्वन्तरि और पुनर्वसु
- आयुर्वेद के प्रमुख आचार्य
- चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट माधव, शारङ्गधर और भावमिश्र)
- चरकसंहिता सूत्र स्थानम्
- पढ़ऋतुओं में काल विभाग तथा शरीर एवं प्रकृति की अवस्था हेमन्त शिशिर वसन्त, ग्रीष्म, वर्षा और शरद ऋतुओं में रहन-सहन और आहार सम्बन्धी नियम।
- ' तैत्तिरीयोपनिषद्
- भृगुवल्ली अनुवाक 1-3

- अष्टाङ्गहृदयम् (स्वस्थवृत्त)

व्याख्यायनमाला इसमें 70 से 80 व्याख्यान छात्रों को दिए जाएंगे जिसके अंतर्गत निम्न सभी कार्य भी निहित होंगे:------

- गृह कार्य प्रदत का अवलोकन
- श्याम पट्टिका अभ्यास
- कक्षा अभ्यास
- कक्षा प्रश्नुत्तर निर्माण
- कक्षा परीक्षा
- असाइनमेंट
- मौखिक परीक्षा

- विषय से प्राप्त लाभ:----------

- स्वास्थ्य का महत्व
- दैनिक अचार व्यवहार
- ऋतु ज्ञान
- आहार ज्ञान
- पर्यावरण बोध
- विषय बोध

SKT-AEEC-206

संस्कृत छन्द एवं गायन

Section 'A

' छन्द-शास्त्र का सामान्य इतिहास

Section B

छन्दों के प्रकार और तत्त्व

Section C

चुने हुए वैदिक छन्दों का विश्लेषण और गान पद्धत्ति ।

- छन्द शास्त्र का सामान्य इतिहास
- छन्दों के प्रकार और तत्त्व
- अक्षरवृत्त, वर्णवृत्त मात्रावृत्त, लघु और गुरु
- गणविचार
- उष्णिक, अनुष्टुप, महती, पंक्ति ,त्रिष्टुप और जगती ,गायत्री

भुजंगप्रयात विद्युन्माला, अनुष्टुप आर्या, मालिनी, शिखरिणी वसंततिलका,मन्दाक्रान्ता व पंचचामर ।

व्याख्यायनमाला इसमें 70 से 80 व्याख्यान छात्रों को दिए जाएंगे जिसके अंतर्गत निन्म सभी कार्य भी निहित होंगे:------

- गृह कार्य प्रदत का अवलोकन
- श्याम पट्टिका अभ्यास
- कक्षा अभ्यास
- कक्षा प्रश्नुत्तर निर्माण
- कक्षा परीक्षा
- असाइनमेंट
- मौखिक परीक्षा

- विषय से प्राप्त लाभ:----------
- वैदिक छंद ज्ञान
- छंद महत्व
- लौकिक,वैदिक गायन
- गायन महत्व
- विषय बोध

SKT-DSE-301

व्यक्तित्व विकास का भारतीय दृष्टिकोण

Section 'A'

- ऐतिहासिक दृष्टिकोण

ऋग्वेद-1.164.37 छान्दोग्योपनिषद-6.23. 6.86 8.14 बृहदारण्यकोपनिषद् 2 516-19

Section 'B'

- व्यक्ति की अवधारणा व्यक्ति की अवधारणा श्रीमदभगवद्गीता अध्याय 7 पथ 1-30. जीव की अष्टधा प्रकृति क्षेत्र और क्षेत्रज्ञ श्रीमदभगवद्गीता अध्याय-13 लोक 1-2, 5-,12-23 बार और अक्षर (अध्याय 15 श्लोक 7-11, 10-19)

Section 'C

- व्यक्तित्व के प्रकार
- व्यक्तित्व के प्रकार श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय 14 श्लोक 5-14 अध्याय [17] श्लोक [26] [11-21)

Section 'D'

- व्यवहार सुधार के मापदण्ड का नियन्त्रण
- व्यवहार सुधार के प्रकार मन और इन्द्रियों श्रीमद्भगवद्गीता: अध्याय 2 52-60 6468
- अध्याय 3 श्लोक 41-43
- अध्याय 6 श्लोक 19-23
- सम्यक आस्था श्रीमदभगवद्गीता अध्याय ७ श्लोक 3 22-28 30-34
- स्वधर्म की पहचान अन्तरात्मा की आवाज श्रीमद्भगवद्गीता अध्याय
- 2-श्लोक 31, 41-44 अध्याय 3 श्लोक 45,8,9, 27-30,33-34 अध्याय श्लोक 18-22

व्याख्यायनमाला इसमें 70 से 80 व्याख्यान छात्रों को दिए जाएंगे जिसके अंतर्गत निन्म सभी कार्य भी निहित होंगे:------

- गृह कार्य प्रदत का अवलोकन
- श्याम पट्टिका अभ्यास
- कक्षा अभ्यास
- कक्षा प्रश्नुत्तर निर्माण
- कक्षा परीक्षा
- असाइनमेंट
- मौखिक परीक्षा

- विषय से प्राप्त लाभ:----------
- वैदिक ज्ञान
- औपनिषदिक ज्ञान
- वैदिक महत्व
- दार्शनिक दृष्टिकोण
- आहार सत्
- त्रिविध गुण
- पर्यावरण बोध
- साहित्यिक चेतना
- विषय बोध

SKT-DSE-302

साहित्यिक समालोचना

Section 'A'

काव्य प्रकाश काव्य वैशिष्ट्य काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु स्वरूप

Section B

काव्य भेद

Section C

- काव्य प्रकाश शब्दशक्तियाँ (अभिधा, लक्षणा, व्यञ्जना)
- ' रस- विवेचन

काव्य प्रकाश काव्य वैशिष्ट्य एवं काव्य प्रयोजन

- काव्य प्रकाश काव्य वैशिष्ट्य एवं काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु स्वरूप
- काव्य प्रकाश काव्यभेद
- काव्य प्रकाश शब्द शक्तियाँ
- काव्य प्रकाश शब्द शक्तियों अभिधा लक्षणा, व्यञ्जना

रस की परिभाषा एवं प्रकार प्रथम तीन रसों (श्रृंगार, हास्य तथा करुण रस) का विवेचन । व्याख्यायनमाला इसमें 70 से 80 व्याख्यान छात्रों को दिए जाएंगे जिसके अंतर्गत निन्म सभी कार्य भी निहित होंगे:------

- गृह कार्य प्रदत का अवलोकन
- श्याम पट्टिका अभ्यास
- कक्षा अभ्यास
- कक्षा प्रश्नुत्तर निर्माण
- कक्षा परीक्षा
- असाइनमेंट
- मौखिक परीक्षा

- विषय से प्राप्त लाभ:----------
- साहित्यिक नियम
- त्रिविध शव्द शक्ति
- कवि उपयोगिता
- कवि प्रकार
- साहित्यिक रस
- सांस्कृतिक चेतना
- साहित्यिक चेतना
- विषय बोध

THIRD YEAR
SEC-3
SKT-AEEC-305
भारतीय रंगशाला

Section 'A' भारतीय रंगशाला का इतिहास एवं परम्परा Section 'B' भारतीय रंगशाला निर्माण एवं प्रकार

Section 'C'
अभिनय आंगिक, वाचिक सात्त्विक एवं आहार्य
'D' नाटक वस्तु, नेता और रस

Section 'A'
भारतीय रंगशाला का इतिहास एवं परम्परा | विभिन्न कालखण्डों में रंगमंच का उद्भव और विकास
प्रागैतिहासिक तथा वैदिक काल
महाकाव्य एवं पौराणिक काल राजदरबार रंगमंच, देवालय रंगमंच, मुक्त रंगमंच (खुला) आधुनिक रंगमंच, लोक रंगमंच राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय रंगमंच
Section 'B'
रंगशाला निर्माण एवं प्रकार रंगशाला निर्माण एवं प्रकार
अभिनयः आंगिक, वाचिक, सात्त्विक और आहार्य
Section 'C'
अभिनय: आगिक, वाचिक सात्त्विक और आहार्य |
Section 'D'
वस्तु नेता नाटक: वस्तु नेता और रस रस
व्याख्यायनमाला इसमें 70 से 80 व्याख्यान छात्रों को दिए जाएंगे जिसके अंतर्गत निम्न सभी कार्य भी निहित होंगे:------

- गृह कार्य प्रदत का अवलोकन
- श्याम पट्टिका अभ्यास
- कक्षा अभ्यास
- कक्षा प्रश्नुत्तर निर्माण
- कक्षा परीक्षा
- असाइनमेंट
- मौखिक परीक्षा

- विषय से प्राप्त लाभ:----------
- रंग शास्त्र ज्ञान

- रंग शास्त्र इतिहास
- रंगशास्त्र महत्व
- रंगमंच निर्माण
- विविध नायक आदि वर्णन
- सांस्कृतिक चेतना
- विषय बोध

THIRD YEAR

SEC-4 SKT-AEEC-306

भारतीय वास्तुशास्त्र

Section "A"

वास्तुप्रयोजनम्, वास्तुस्वरूप (प 4-13)

Unit 2

भूमि परीक्षणम्

दिककसाधनमनिवास स्थाननिर्वचनम्

अध्याय 3

गृहपर्यावरणम् पृक्षारोपणम् राज्यशोधनम् (पद्य 31-49 74-82)वर्गपरिशोधनम वास्तुकम शिलान्यास गृहवास्तु (पद्य 83-102 107-112)

Section "C" अध्याय 6

पंचविधनि गृहाणि शाला-आलिन्दप्रमाणम् (पद्य 171-194) वीथिका प्रमाण (पथ. 195-196)

Unit 2

वास्तुसौख्यम् अध्याय

द्वार ज्ञानम् स्तम्भप्रमाणम् पचशालानि गृहाणि सद्या वर्धमानम् स्वास्तिकम्, रुचकम् (पद्य. 203-217)

Section "D"

Unit 1

अध्याय 8 एकाशीति पर वास्तुचक्रम (पद्य. 287-302) मर्मस्थानानि (पद. 305-307).

Unit 2 अध्याय 9

वासादिसन्निरूपणम् द्वारपफलम् द्वारकापफलम्

व्याख्यायनमाला इसमें 70 से 80 व्याख्यान छात्रों को दिए जाएंगे जिसके अंतर्गत निन्म सभी कार्य भी निहित होंगे:------

- गृह कार्य प्रदत का अवलोकन
- श्याम पट्टिका अभ्यास
- कक्षा अभ्यास
- कक्षा प्रश्नुत्तर निर्माण
- कक्षा परीक्षा
- असाइनमेंट
- मौखिक परीक्षा

- विषय से प्राप्त लाभ:----------
- वास्तु ज्ञान
- गृह निर्माण आवश्यक नियम
- गृह पर्यावरण
- भूमि परीक्षण
- विविध द्वार, फल
- पथ्य वीथि
- अलिन्द निर्माण
- राजा,मंत्री,वैद्य,सामंत आदि गृह व्यास
- विषय बोध